गरुड़ - नीक आ अधलाह

मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल' क' चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत। यशायाह 40:31
जँ अहाँ गरुड़ जकाँ अपना केँ ऊँच करब आ तारा सभक बीच अपन खोंता राखब, मुदा हम अहाँ केँ ओतहि सँ उतारब, परमेश् वर कहैत छथि। ओबदिया 1:4

पंचतंत्र

अहाँ सभ देखलहुँ जे हम मिस्रक लोक सभक संग की केलहुँ आ अहाँ सभ केँ गरुड़क पाँखि पर उठा कS अपना लग अनलहुँ। निष्कासन 19:4

ई सभ चिड़ै-चुनमुनी सभक बीच घृणित रूप मे अहाँ सभ केँ होयत। ओ सभ नहि खायल जायत, ओ सभ घृणित अछि: गरुड़, अस्थि-संचय, आ ओस्प्रे, आ हंस, पेलिकन आ गियर गरुड़, लेवीय 11:13,18

मुदा ई सभ अछि जकरा अहाँ सभ नहि खाउ: गरुड़, अस्थि-संचय, ओस्प्रे, आ पेलिकन, गियर गरुड़ आ कोर्मोरेन्ट, व्यवस्था 14:12,17

परमेश् वर दूर-दूर सँ, पृथ् वीक छोर सँ, गरुड़ उड़ैत जेकाँ तेज अछि, अहाँ सभक विरुद्ध एकटा जाति अनताह। एहन जाति जकर भाषा अहाँ नहि बुझब। व्यवस्था 28:49

जेना गरुड़ अपन खोंता केँ हिलाबैत अछि, अपन बच्चा पर फड़फड़ाइत अछि, अपन पाँखि पसारि लैत अछि, ओकरा सभ केँ पकड़ैत अछि, ओकरा सभ केँ पाँखि पर उठबैत अछि। व्यवस्था 32:11-12

शायरी

साउल आ जोनाथन अपन जीवन मे प्रिय आ सुखद छलाह, आ मृत्यु मे दुनू मे विभाजन नहि भेल छलनि, ओ सभ गरुड़ सँ तेज, सिंह सँ बेसी मजबूत छलाह। 2 शमूएल 1:23

ओ सभ तेज जहाज जकाँ गुजरि गेल अछि, जेना गरुड़ जे जल्दी-जल्दी शिकार पर पहुँचैत अछि। अय्यूब 9:26

की गरुड़ अहाँक आज्ञा पर चढ़ि कS ऊँच पर अपन खोंता बना लैत अछि? अय्यूब 39:27

(दाऊदक भजन।) हे हमर प्राण, परमेश् वरक आशीष करू। हे हमर प्राण, परमेश् वरक आशीष करू, आ हुनकर सभ लाभ केँ नहि बिसरब। जाहि सँ तोहर जवानी गरुड़ जकाँ नव भ' जाइत अछि। भजन 103:1-2,5

की अहाँ अपन नजरि ओहि पर राखब जे नहि अछि? कारण धन-सम्पत्ति निश्चित रूप सँ अपना केँ पाँखि बनि जाइत अछि। गरुड़ जकाँ स्वर्ग दिस उड़ि जाइत छथि। नीतिवचन 23:5

जे आँखि अपन पिताक उपहास करैत अछि आ अपन मायक आज्ञा मानबा मे तिरस्कार करैत अछि, से घाटी मे काग ओकरा तोड़ि लेत आ गरुड़क बच्चा सभ ओकरा खा जायत। तीन टा बात अछि जे हमरा लेल बेसी अद्‌भुत अछि, हँ, चारिटा बात जे हम नहि जनैत छी: हवा मे गरुड़क बाट। चट्टान पर साँपक बाट। समुद्रक बीच मे जहाजक बाट; आ दासी बला आदमीक बाट। नीतिवचन 30:17-19

भविष्यवक्ता

मुदा जे सभ परमेश् वरक प्रतीक्षा करैत अछि, से सभ अपन सामर्थ् य नव बनाओत। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत। यशायाह 40:31

देखू, ओ मेघ जकाँ चढ़त आ ओकर रथ बवंडर जकाँ होयत। हमरा सभक धिक्कार! किएक तँ हम सभ लूटि गेल छी। यिर्मयाह 4:13

किएक तँ परमेश् वर ई कहैत छथि। देखू, ओ गरुड़ जकाँ उड़त आ मोआब पर अपन पाँखि पसारि लेत। यिर्मयाह 48:40

हे पाथरक फाँक मे रहनिहार, जे पहाड़क ऊँचाई पर बैसल छी, तोहर भयावहता आ तोहर हृदयक घमंड धोखा देलक। देखू, ओ गरुड़ जकाँ उड़ि कऽ बोस्रा पर अपन पाँखि पसारि लेत, आ ओहि दिन एदोमक पराक्रमी सभक हृदय ओहिना होयत जेना कोनो स् त्रीक पीड़ा मे पड़ि रहल अछि। यिर्मयाह 49:16,22

हमरा सभक सताबयवला सभ स् वर्गक गरुड़ सभ सँ बेसी तेज अछि, ओ सभ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ पहाड़ पर चलैत रहल, जंगल मे हमरा सभक प्रतीक्षा कयलक। विलाप 4:19

मुँहक उपमाक बात तँ चारू गोटेक दहिना कात मनुखक मुँह आ सिंहक मुँह छलनि। चारू गोटेक मुँह सेहो गरुड़ जकाँ छलनि। इजकिएल 1:10

प्रत्येकक चारिटा मुँह छलैक, पहिल मुँह करुबक मुँह छलैक, दोसर मुँह मनुक्खक मुँह छलैक, तेसर मुँह सिंहक मुँह छलैक आ चारिम मुँह गरुड़क मुँह छलैक। इजकिएल 10:14

आ कहू जे, “प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। एकटा पैघ पाँखि बला, लम्बा पाँखि बला, पंख सँ भरल, जे विविध रंगक छल, लेबनान आबि देवदारक सबसँ ऊँच डारि पकड़ि लेलक: एकटा आओर पैघ गरुड़ सेहो छल, जकर पैघ पाँखि आ बहुत पंख छलैक, आ देखू, ई बेल अपन जड़ि ओकरा दिस मोड़ि देलक आ ओकर डारि ओकरा दिस गोली मारि देलकैक, जाहि सँ ओ ओकरा ओकर रोपनीक खाई सँ पानि द' सकय। इजकिएल 17:3,7

ओही समय नबूकदनेस्सर पर बात पूरा भेलै, आ ओ मनुष् य सँ भगा देल गेलै, आ बैल जकाँ घास खा गेलै, आ ओकर शरीर स्वर्गक ओस सँ भीजल छलैक, जाबत ओकर केश गरुड़क पंख जकाँ नै उग गेलै आ ओकर नाखून चिड़ै के पंजा जकाँ नै उग गेलै। दानियल 4:33

पहिल सिंहक समान छल, जकर पाँखि गरुड़क पाँखि छल, हम ताबत धरि देखैत रहलहुँ जाबत धरि ओकर पाँखि उखाड़ल नहि गेल, आ ओ धरती सँ ऊपर उठि गेल आ आदमी जकाँ पैर पर ठाढ़ भ' गेल, आ ओकरा मनुष्यक मोन नहि देल गेल। दानियल 7:4

तुरही मुँह पर राखू। ओ गरुड़ जकाँ परमेश् वरक घरक विरुद्ध आओत, किएक तँ ओ सभ हमर वाचाक उल्लंघन केलक आ हमर नियमक उल्लंघन केलक। होशे 8:1

जँ अहाँ गरुड़ जकाँ अपना केँ ऊँच करब आ तारा सभक बीच अपन खोंता राखब, मुदा हम अहाँ केँ ओतहि सँ उतारब, परमेश् वर कहैत छथि। ओबदिया 1:4

तोरा गंजा बनाउ, आ अपन नाजुक बच्चा सभक लेल पोल करू। गरुड़ जकाँ अपन गंजापन बढ़ाउ। कारण, ओ सभ अहाँ सँ बंदी मे चलि गेल छथि।" मीका 1:16

ओकर घोड़ा तेन्दुआसँ बेसी तेज आ साँझक भेड़ियासँ बेसी उग्र होइत अछि। ओ सभ गरुड़ जकाँ उड़त जे जल्दबाजी मे भोजन करय। हबक्कूक 1:8

नया नियम

किएक तँ जतए शव रहत, ओतहि गरुड़ सभ जमा भऽ जायत। मत्ती २४:२८

ओ सभ उत्तर देलथिन, "प्रभु, कतय?" ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " जतय-जतय शव अछि, ओतय गरुड़ सभ जमा होयत।" लूका 17:37

पहिल जानवर सिंह जकाँ छल, दोसर जानवर बछड़ा जकाँ, तेसर जानवरक मुँह मनुक्ख जकाँ छल, आ चारिम जानवर उड़ैत गरुड़ जकाँ छल। प्रकाशितवाक्य 4:7

ओहि स्त्री केँ एकटा पैघ गरुड़क दू टा पाँखि देल गेलैक जे ओ जंगल मे उड़ि कऽ अपन स्थान पर पहुँचि सकय, जतय ओकरा साँपक मुँह सँ किछु समय, समय आ आधा समय धरि पोसल जाइत छैक। प्रकाशितवाक्य 12:14

एपोक्रिफा

तखन हम सपना देखलहुँ, समुद्र सँ एकटा गरुड़ निकलल छल, जकर बारह टा पंखबला पाँखि आ तीन टा माथ छल। हम देखलहुँ जे गरुड़ अपन पंखक संग उड़ि गेल आ पृथ् वी पर आ ओहि मे रहनिहार सभ पर राज कऽ रहल छल। हम देखलहुँ जे गरुड़ अपन पोंछ पर उठि कऽ अपन पंख सँ बाजल, "गरुड़क देह पर आब नहि छल, मात्र तीन टा माथ जे आराम करैत छल आ छह टा छोट-छोट पाँखि छल।" हम देखलहुँ, जेना कोनो गर्जैत सिंह जंगल सँ भगाओल गेल अछि, आ हम देखलहुँ जे ओ गरुड़ दिस एकटा आदमीक आवाज पठा देलक आ कहलक, "एहि लेल आब नहि देखाएब, हे गरुड़, ने तोहर भयावह पाँखि, आ ने तोहर दुष्ट पंख आ ने तोहर दुर्भावनापूर्ण माथ, आ ने तोहर आहत करयवला पंजा, आ ने तोहर सभटा व्यर्थ देह।" एस्द्रा ११:१,५,७,२३,३७,४५

जखन सिंह गरुड़ केँ ई बात बाजल तऽ हम देखलहुँ, आ देखलहुँ, ओ सभ आब नहि देखा पड़ल, आ गरुड़क पूरा शरीर जरि गेल जे पृथ्वी बहुत भय गेल जे राज्य तोहर भाय दानियलक दर्शन मे देखल गेल छल। ओहि मे रहय बला सभ मे सँ पहिने जे सभ छल, ताहि सँ बेसी अत्याचारक संग रहैत अछि। ओ सिंह, जकरा अहाँ जंगल

सँ उठि कऽ गर्जैत देखलहुँ आ गरुड़ सँ बाजि रहल छल आ ओकर अधर्मक कारणेँ ओकरा डाँटि रहल छल। २ एस्द्रा १२:१,३,११,२४,३१

हनोक

आ ओ सभ खेतक जानवर आ चिड़ै सभकेँ उत्पन्न करय लागल, जाहिसँ अलग-अलग वंश उत्पन्न भेल : सिंह, बाघ, भेड़िया, कुकुर, हाइना, जंगली सुअर, लोमड़ी, गिलहरी, सुग्गर, बाज, गिद्ध, पतंग, गरुड़ आ काग; आ ओहि मे एकटा उज्जर बैल उत्पन्न भेल। हनोक 89:10

आ तकर बाद हम अपन दर्शन मे स्वर्गक सभ चिड़ै, गरुड़, गिद्ध, पतंग, काग, आबि रहल देखलहुँ। मुदा गरुड़ सभ चिड़ै सभक नेतृत्व करैत छल। ओ सभ ओहि बरद सभ केँ खाय लागल आ ओकर सभक आँखि चुनि कऽ ओकर मांस खाय लागल। बरद सभ चिड़ै-चुनमुनी सभ ओकर मांस खा रहल छल, ताहि लेल चिचिया उठल, आ हमरा बात पर हम ओहि चरबाह पर जे भेँड़ा चरबैत छल, ताहि पर नींद मे तकैत रही आ विलाप करैत रही। हम देखलहुँ जाबत धरि ओ बरद सभ कुकुर आ गरुड़ आ पतंग सभ खा गेल आ ने मांस ओकरा सभ पर ने मांस छोड़ि देलकैक आ ने चमड़ा आ ने नस, जाबत धरि ओकर हड्डी मात्र ठाढ़ नहि भ' गेलैक। हनोक 90:2-4

आ ई सबहक बादो ओ गरुड़ आ गिद्ध आ काग आ पतंग एखनो बरद सभकेँ नोचैत रहल आ ओकरा सभ पर दौड़ि कऽ खाइत रहल: तइयो बरद सभ चुप रहल, मुदा मेढ़ा सभ विलाप आ चिचियाइत रहल। हम देखलहुँ जाबत धरि चरबाह आ गरुड़ आ ओ गिद्ध आ पतंग नहि आबि गेल, आ ओ सभ काग सभ केँ चिचिया उठल जे ओहि मेढ़क सींग तोड़ि दियौक, आ ओ सभ ओकरा सँ लड़ल आ लड़ल, आ ओ ओकरा सभ सँ लड़ैत रहल आ चिचिया उठल जे ओकर सहायता आबि जाय। सभ गरुड़ आ गिद्ध आ काग आ पतंग एक ठाम जमा भ' गेल छल, आ ओकरा सभक संग खेतक सभ बरद आबि गेल, हँ, सभ एक संग आबि मेढ़क ओहि सींग केँ तोड़बा मे एक-दोसर केँ मददि केलक। हनोक 90:11,13,16

आ पापी सभक क्लेशक दिन अहाँक बच्चा सभ गरुड़ जकाँ चढ़त आ उठत, आ गिद्ध सँ ऊँच अहाँक खोंता होयत, आ अहाँ सभ चढ़ि कऽ पृथ्वीक दरार मे प्रवेश करब, आ चट्टानक दरार सभ अनन्त काल धरि अधर्मी सभक सोझाँ कोनी जकाँ, आ सायरन अहाँ सभक कारणेँ आह भरत आ कानत। हनोक 96:2

बाइबिल के खोया किताबें

मुदा मूसा किएक कहलनि जे, अहाँ सभ सुग्गर, ने गरुड़ आ ने बाजक फल नहि खाउ। आ ने कौआ; आ ने कोनो एहन माछ जकरा पर तराजू नहि हो?—जवाब, जे आध्यात्मिक अर्थ मे, ओ तीन टा सिद्धांत केँ बुझैत छलाह, जे ओतय सँ जमा करबाक छल। ओ कहैत छथि जे ने गरुड़, ने बाज, ने पतंग, आ ने कौआ। अर्थात अहाँ एहन लोकक संग नहि राखब जे नहि जनैत अछि जे अपन मेहनत आ पसीना सँ अपना केँ भोजन कोना भेटैत अछि। आ देखू जे कोना, ओकरा सभक लेल जाल बिछाओल जाय। जखन कि एकहि संग ओ सभ पूर्ण निर्दोषता मे जीबैत देखाइत छथि | बरनबास के सामान्य पत्र 9:1,4

अदन के बिसरल किताब

आ जखन राजा हुनका दिस तकलनि तँ देखलनि जे ओ अभावक अवस्था मे छथि , आ हुनकर केश जंगली जानवर जकाँ नमहर भ ' गेल छनि आ नाखून गरुड़क पंजा जकाँ नमहर भ ' गेल छनि आ हुनकर देह धूरा सँ

गंदा भ ' गेल छनि , आ हुनकर चेहराक रंग बदलि क ' फीका भ ' गेल छनि आ आब राख जकाँ भ ' गेल छनि | अहिकर के कहानी 4:26

आ हाइकार अपन निवास स्थान पर चलि गेलाह, आ ओ शिकारी सभ कैँ आज्ञा देलनि जे हुनका लेल दू टा गरुड़क बच्चा पकड़ि ली, आ ओ सभ ओकरा पकड़ि क' हुनका लग अनलनि: आ ओ रस्सी बुननिहार सभ कैँ आदेश देलनि जे हुनका लेल दू टा कपासक केबल बुनथि, जाहि मे सँ प्रत्येक दू हजार हाथ नमहर छल, आ बढ़ई सभ कैँ आनि क' दू टा पैघ बक्सा बनेबाक आदेश देलनि, आ ओ सभ ई काज केलनि। तखन ओ दू टा छोट-छोट लड़का कैँ लऽ कऽ सभ दिन मेमना बलि दैत आ गरुड़ आ लड़का सभ कैँ खुआबैत, आ लड़का सभ कैँ गरुड़ सभक पीठ पर सवार करबा मे बिता देलक, आ ओकरा सभ कैँ एकटा मजबूत गाँठ सँ बान्हि देलक, आ गरुड़ सभक पैर मे केबल बान्हि देलक, आ ओकरा सभ कैँ सभ दिन धीरे-धीरे ऊपर दिस उड़य देलक, दस हाथक दूरी पर, जाबत धरि ओ सभ अभ्यस्त नहि भ' गेल आ पढ़ल-लिखल नहि भ' गेल ई; ओ सभ रस्सीक सभटा लम्बाई धरि उठि गेलाह जाबत धरि ओ सभ आकाश धरि नहि पहुँचि गेलाह। लड़का सब पीठ पर रहब। तखन ओ ओकरा सभकैँ अपना दिस खींच लेलक। अहिकर के कहानी 5:10-11

तँ राजा उछलि कऽ हाइकरक संग बैसि गेलाह आ एकटा चौड़ा जगह पर जा कए गरुड़ आ लड़का सभकैँ अनबाक लेल पठौलनि आ हाइकर ओकरा सभकैँ बान्हि कऽ रस्सीक पूरा लम्बाई हवामे छोड़ि देलनि आ ओ सभ जेना सिखौने छलाह तेना चिचियाबय लगलाह | तखन ओ ओकरा सभ कैँ अपना दिस खींचिकय अपन-अपन स्थान पर राखि देलक। राजा आ संग मे रहनिहार लोकनि बहुत आश्चर्यचकित भ' गेलाह: आ राजा हाइकर कैँ आँखिक बीच मे चुम्मा ल' क' कहलखिन, 'हे हमर प्रियतम, शान्ति सँ जाउ! हे हमर राज्यक गौरव! मिस्र मे जाउ आ फिरौनक प्रश्नक उत्तर दियौक आ परमात्मा परमेश् वरक सामर्थ् य सँ हुनका पर विजय प्राप्त करू।' तखन ओ हुनका विदाई दऽ कऽ अपन सेना आ सेना आ युवक आ गरुड़ सभ कैँ लऽ कऽ मिस्रक निवास दिस विदा भेलाह। आ पहुँचला पर राजाक देश दिस घुमि गेलाह। अहिकर के कहानी 5:16-18

राजा हुनका लेल सभ किछु तैयार कयलनि आ ओ सभ चौड़ा जगह पर चलि गेलाह। आ हाइकर आ ओकर लड़का सभ ओहि ठाम आबि गेल, आ ओ गरुड़ आ युवक सभ कैँ अपना संग लऽ गेल। राजा आ ओकर सभ कुलीन लोक गेलाह आ पूरा शहर जमा भ' गेलाह, जाहि सँ ओ सभ देखथि जे हाइकर की करत। तखन हाइकर गरुड़ सभकैँ डिब्बा सभसँ बाहर छोड़ि देलक , आ युवक सभकैँ पीठ पर बान्हि देलक आ गरुड़ सभक पएरमे रस्सी बान्हि देलक आ हवामे छोड़ि देलक। ओ सभ ऊपर दिस उड़ि गेल, जाबत धरि ओ सभ आकाश आ पृथ्वीक बीच नहि रहल। अहिकर के कहानी 6:11-12

हे हमर छौड़ा! कौआक जवानीसँ नीक गरुड़क बुढ़ापा। अहिकर के कहानी 7:48

याकूबक हार सभ हर्ष मे दौड़त आ इस्राएलक गरुड़ सभ खुशी मे उड़त। आ सभ लोक प्रभुक महिमा अनन्त काल धरि करत। यहूदा के नियम 4:32

देखू, पृथ् वी पर एकटा बैल, जकर दू टा पैघ सींग आ पीठ पर गरुड़क पाँखि अछि। आ हम सभ ओकरा पकड़बाक इच्छा रखैत छलहुँ, मुदा नहि पकड़ि सकलहुँ। मुदा यूसुफ आबि कऽ ओकरा पकड़ि लेलक आ ओकरा संग ऊँच पर चढ़ि गेल। नफ्ताली 2:6-7 के नियम